पिंक और सेय

पेट्रीसिया पिकोलो

पिंक और सेय

पेट्रीसिया पिकोलो

जब शेल्डन रसेल कर्टिस ने अपनी बेटी रोजा को यह कहानी सुनाई, तो उसका हर शब्द उसके दिल में बस गया क्योंकि उसे अपने लंबे जीवनकाल में इस कहानी को कई बार फिर से सुनाना था.

शेल्डन एक भीषण युद्ध में घायल हो गया था और जॉर्जिया में कहीं कीचड़, खून से लथपथ चरागाह में उसे मृत अवस्था में छोड़ दिया गया था. वो मात्र पंद्रह वर्ष का एक बालक था. वो वहाँ दो दिनों तक पड़ा रहा, बेहोशी और बुखार की हालत में. फिर वहां से गुज़रते एक अन्य लड़के ने उसे बचाया. वो लड़का अपनी कंपनी से अलग हो गया था.

अब मैं इस कहानी को अपने शब्दों में सुनाने की कोशिश करूंगी :

मैंने अपने ऊपर आकाश में सूरज को चढ़ते हुए देखा. मुझे बहुत बुरी चोट लगी थी. लगभग एक साल से मैं इस युद्ध में था. यह राज्यों के बीच का युद्ध था. मैं सिर्फ एक लड़का था. काश मैं घर पर होता.

एक गर्म सीसे का गोला मेरे घुटने के ठीक ऊपर लगा था जिससे मेरा पैर जल रहा था. मुझे नींद आ रही थी और मेरी आँखों के सामने अँधेरा छा रहा था. बीच-बीच में मेरी आँख खुलती थी. मैं ओहियो में अपने खेत में वापस जाना चाहता था और कभी-कभी, जब मैं उस अजीब नींद में से उठता था, तो मैं अपनी माँ के साथ होता, उसके लकड़ी के चूल्हे पर पके ताज़े बिस्कुट चखता हुआ.

तभी मुझे एक आवाज सुनाई दी. एक पल के लिए मुझे लगा कि मुझे बुखार है - और मैं सपना देख रहा हूं लेकिन फिर मुझे लगा कि एक मजबूत हाथ मेरे माथे को छू रहा था, और मेरे चेहरे पर पानी के छींटे मार रहा था.

"लड़के, ऐसा लगता है जैसे तुम मर गए हो," एक आवाज ने कहा और उसने मुझे अपनी बोतल से पीने का पानी दिया. "तुम कहाँ मार लगी? क्योंकि अगर तुम्हारे पेट में गोला लगा होता, तो मुझे तुम्हें यहीं पर छोड़ना पड़ता," उसने कहा.

मैंने उस जैसे आदमी को अपने इतने करीब पहले कभी नहीं देखा था. उसकी त्वचा पॉलिश महोगनी के रंग की काली थी. वो भी मेरी तरह यूनियन फौज के कपड़े पहने था. वो भी मेरी उम्र का ही था. उसकी आवाज सुखदायक थी और उसकी मदद मेरे लिए बहुत ज़रूरी थी.

"गोला मेरे पैर में लगा था," मैंने उससे कहा. "अगर वो हरा नहीं हुआ है तो इतनी बुरी बात नहीं है."

"क्या तुम उस पैर पर वजन डाल सकते हो?" उसने पूछा. उसने मेरे पैरों को खींचकर मुझे उठाया. "हमें चलते रहना होगा. अगर हम एक स्थान पर रुकेंगे, तो लुटेरे हमें ढूंढ लेंगे. वे कहीं इधर-उधर घूम रहे हैं और घायलों की तलाश कर रहे हैं."

अगली बात जो मुझे याद है कि मैं जमीन पर ढेर जैसे पड़ा था और अपने पैर के दर्द के कारण कराह रहा था. मेरी आँखों के सामने अँधेरा छाने लगा. तब मुझे याद आया कि उसने मुझे अपनी पीठ पर लाद लिया था. मैंने उसे यह कहते हुए सुना, "भगवान दया करो, इस बच्चे पर. उसकी भी हालत मेरे जैसी ही ख़राब है. मैं उसे यहाँ नहीं छोड़ सकता."

मुझे याद है कि कोई मुझे खींच कर ले जा रहा था, और वो लगातार ठोकर खा रहा था! मुझे याद है कि जब हम जमीन से टकराते थे तो कठोर शाखाएं मेरे चेहरे और मुंह को खरोंचती थीं. मुझे याद है कि हम धीरे-धीरे नदियों से निकले, हमने छोटे-छोटे झरनों को पार किया और पेट के बल रेंगते हुए सूखे खेतों को पार किया. मैं आधी नींद में था, कुछ-कुछ बेहोशी की हालत में. लेकिन मुझे याद है कि मुझे कोई एक लंबे रास्ते से ले जा रहा था.

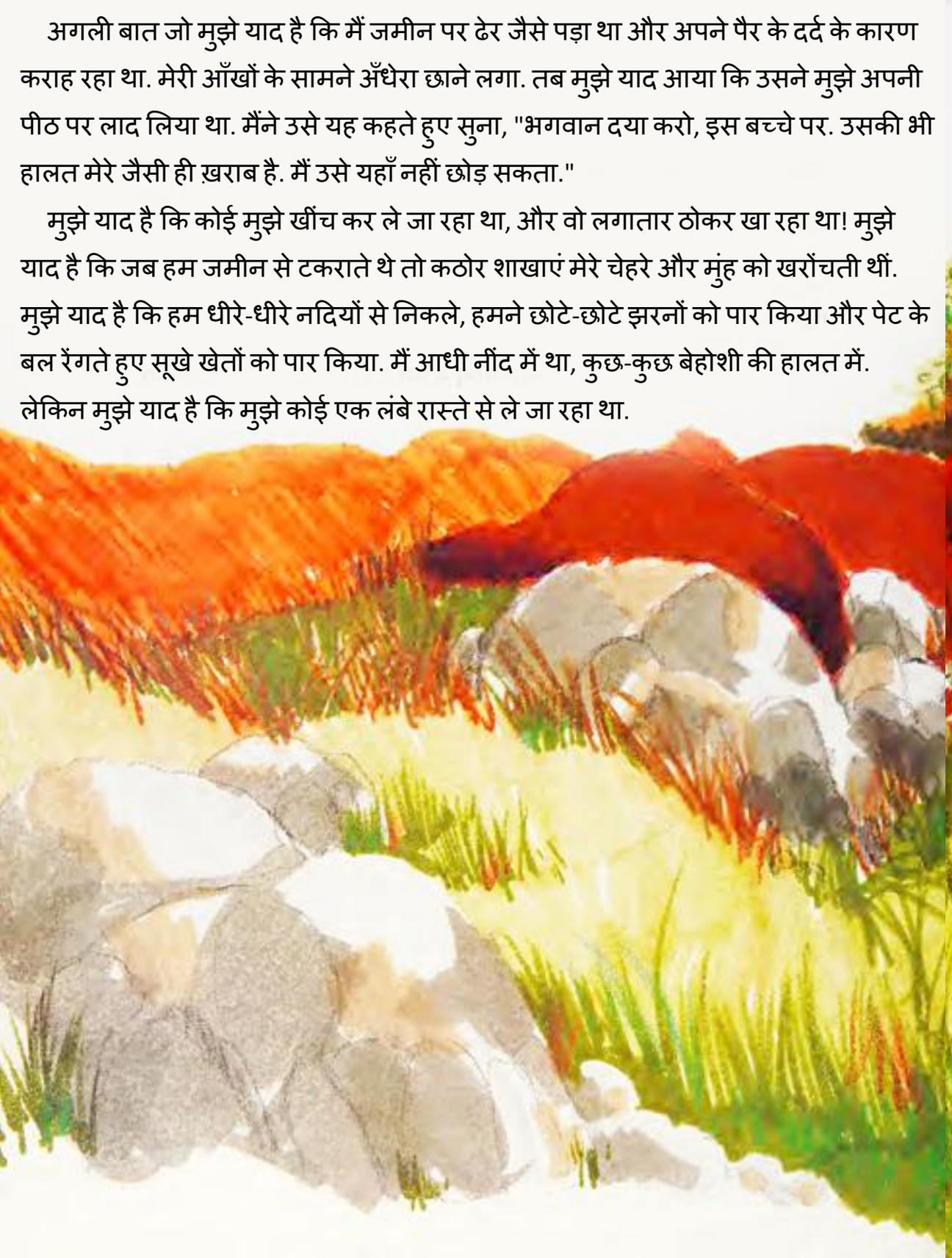

तब मुझे तेज़ बुखार होगा, क्योंकि मैंने अपने चेहरे के पास एक ठंडी, मीठी-महक वाली रजाई महसूस की. नर्म, कोमल गर्म हाथ ठंडे गीले कपड़े से मेरे सिर को सहला रहे थे.

"उस सुबह को देखो, वह आ रही है," एक महिला की आवाज ने कहा और उसने मुझे जई का दलिया खाने को दिया. "क्या तुम्हारी माँ को पता है कि उनका बेटा कितना सुन्दर है?"

"मैं कहाँ हूँ? क्या यह स्वर्ग है?" मैंने पूछा.

फिर उसने सिर हिलाया और हँस पड़ी. "नहीं बेटा, पिंकस तुम्हें मेरे पास घर ले आया - क्या तुम्हें याद नहीं?"

वो महोगनी बच्चा, मैंने सोचा.

"तुम दोनों बच्चे कई दिनों से भाग रहे थे, और फिर सर्वशक्तिमान परमेश्वर का चमत्कार तुम दोनों को यहाँ लाया. हाँ वास्तव में, बच्चे, वो एक चमत्कार है."

मैं सोच रहा था. क्या युद्ध इस लड़के के घर के इतने करीब हो सकता था? मैं उसके पिछवाड़े में युद्ध होने की कल्पना नहीं कर सकता था. मैंने ऊपर देखा और मैंने उसे खिड़की के बाहर की रोशनी देखते देखा.

"लगता है कि तुम्हें ज्यादा याद नहीं है," उसने कहा. "मैं पिंकस ऐली हूं. मैं अड़तालीसवीं कम्पनी के साथ लड़ा था. अपनी कंपनी से खो जाने के बाद मैं तुमसे मिला."

"मेरा नाम शेल्डन है. शेल्डन कर्टिस," मैंने कमजोर आवाज़ में कहा.

"यह मेरी माँ है, प्यारी मो-मो बे," उसने मुस्कुराते हुए कहा.

"भगवान, मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं अपने प्यारे लड़के को फिर से देखूंगी," माँ ने अपने बेटे को गले लगाते हुए कहा. "वैसे मेरी ज़िंदगी खिंच रही है पिंकस. बड़े घर वाले लोग जब यहाँ से गए तो वे कई खाने की काफी चीज़े छोड़ गए - सूखा अनाज भी. बाकी मैं जंगल से ले आती हूँ. पास में मीठे पानी का झरना है. अभी भी कुछ मुर्गियां भी हैं, यहां तक कि एक बूढ़ी गाय भी है जो अब भी दूध देती है."

"तो तुम यहाँ बिलकुल अकेली हो?" पिंकस ने अपनी माँ से पूछा, "बाकी सब कहाँ हैं?"

"तुम्हारे पिताजी एक महीने पहले लड़ने के लिए चले गए. सभी मज़दूर और उनके बच्चे युद्ध के नुकसान से बचने के लिए भाग गए. लेकिन मैं रुक गई. मैंने हर दिन भगवान से प्रार्थना की. मेरी प्रार्थनाओं का निश्चित रूप से भगवान ने उत्तर दिया क्योंकि वो मेरे बच्चे को यहां रहने के लिए वापस लाए," उसने कहा. उसके चेहरे पर मुस्कराहट थी.

"तुम अपनी माँ को फिर कभी नहीं छोड़कर जाना बच्चे?" उसने धीरे से कहा.

पिंकस परेशान दिख रहा था और उसने कोई जवाब नहीं दिया.

"मैं तुम्हारे इन कपड़ों को धोने के लिए नदी पर जा रही हूँ," उसने हमें छोड़ते हुए कहा. "यदि तुम लुटेरों की आवाज़ सुनो तो तुरंत तहखाने में जाकर छिप जाना. और उनके जाने तक वहीं रहना. मैं यही करती हूं."

"यहाँ लुटेरे?" पिंकस ने डरते हुए कहा.

"लुटेरों ने देखा है कि यहाँ उनके लिए कुछ भी नहीं है, बच्चे... कुछ भी नहीं!"

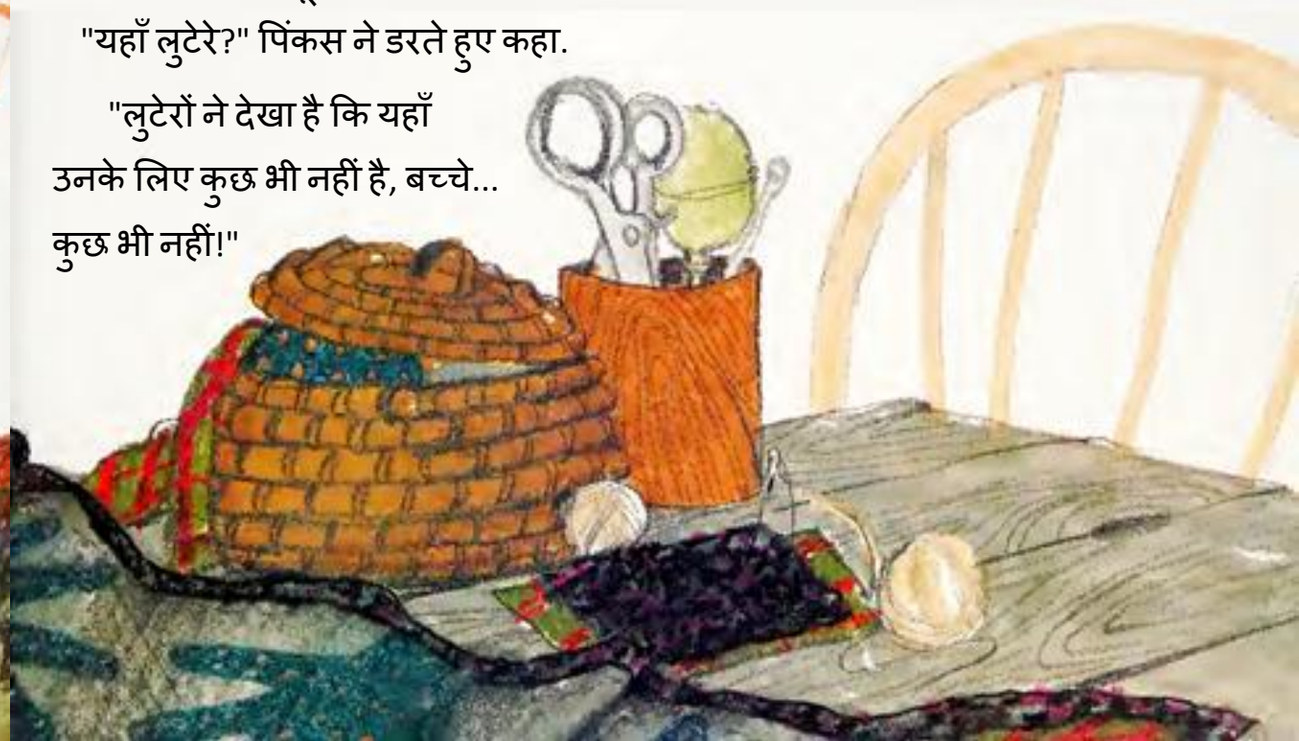

जैसे ही उसने हमें छोड़ा, पिंकस मेरे बिस्तर के पास आ गया.

"शेल्डन, लड़के," वो फुसफुसाया, "जैसे ही तुम ठीक हो जाओगे, हमें यहां से दूर चले जायेंगे. हम यहां पर रहकर मो-मो बे को बहुत खतरे में डाल रहे हैं. अगर लुटेरे आते हैं और वे पाते हैं कि उसने सैनिकों को छिपा रखा है..... " फिर उसकी आवाज बंद हो गई. "अगर हम अपनी टुकड़ियों को ढूंढ सकते हैं तो हम अपने यूनिट्स में वापस चले जायेंगे."

"तुम्हारा मतलब युद्ध में वापिस चले जाएं?" मैंने पूछा.

''यह एकमात्र तरीका है, है ना?" फिर उसने मेरी तरफ देखा और कहा. वो सुनकर मेरा चेहरा पीला पड़ गया.

"शेल्डन, तुम ठीक तो हो? तुम काफी परेशान दिख रहे हो!" उसने मुझ से वापिस कहा.

"तुम मुझे "सेय" बुला सकते हो," मैंने कहा. "मेरे परिवार में सभी लोग मुझे "सेय" ही बुलाते हैं, शेल्डन नहीं. तुम अब मेरे परिवार का हिस्सा हो."

"ठीक है,," उसने कहा और मेरे पैरों के नीचे कंबल डाल दिया. "तुम मुझे पिंक बुला सकते हो," उसने मुस्कुराते हुए धीरे से कहा.

अगले हफ्ते मो-मो बे ने हम दोनों को अच्छा खिलाया. कच्चे दूध और मकई की रोटी मुझे पूरे जन्म में कभी इतनी अच्छी नहीं लगीं. महीनों में यह पहली बार था जब मेरे भोजन में कोई कीड़े नहीं थे. उन्होंने देखा कि मैं हर दिन थोड़ा-थोड़ा चलने की कोशिश कर रहा था. "अच्छा है नहीं तो तुम्हारा ज़ख़्मी पैर पत्थर हो जायेगा और तुम्हें अपंग बना देगा," उन्होंने कहा.

यह जगह ओहियो में हमारे फार्महाउस से बहुत ज्यादा अलग नहीं थी. शायद यहाँ पर कुछ ज्यादा गरीब थी, लेकिन यहाँ की गंध वही थी. पाइन बोर्ड और अच्छे भोजन की खुशबू . बीन्स और सूअर का मांस, मकई की रोटी, साग और प्याज आदि. जब हम सोते तो वो हमारे पास बैठती, आग को हवा देती और हम पर नज़र रखती थी. मैंने कभी नहीं सोचा था कि मैं फिर से गहरी नींद लेने के लिए खुद को इस तरह सुरक्षित महसूस करूंगा.

"मेरी माँ और कायलो, मेरे पिता, इसी स्थान पर झाड़ू लगाते थे," पिंक ने मुझे पहले दिन बाहर ले जाते हुए कहा. "और वो एक मास्टर का घर था. मास्टर ऐली." पिंक ने चुपचाप कहा और फिर उसने चलने में मेरी मदद की.

"तुम्हारे नाम के पीछे उसका अंतिम नाम कैसे आया?" मैंने पूछा.

"दोस्त, जब तुम्हारा कोई मालिक होता है तो तुम्हारा अपना कोई नाम नहीं होता है. यहां तक कि कायलो को भी वो नाम लेना पड़ा."

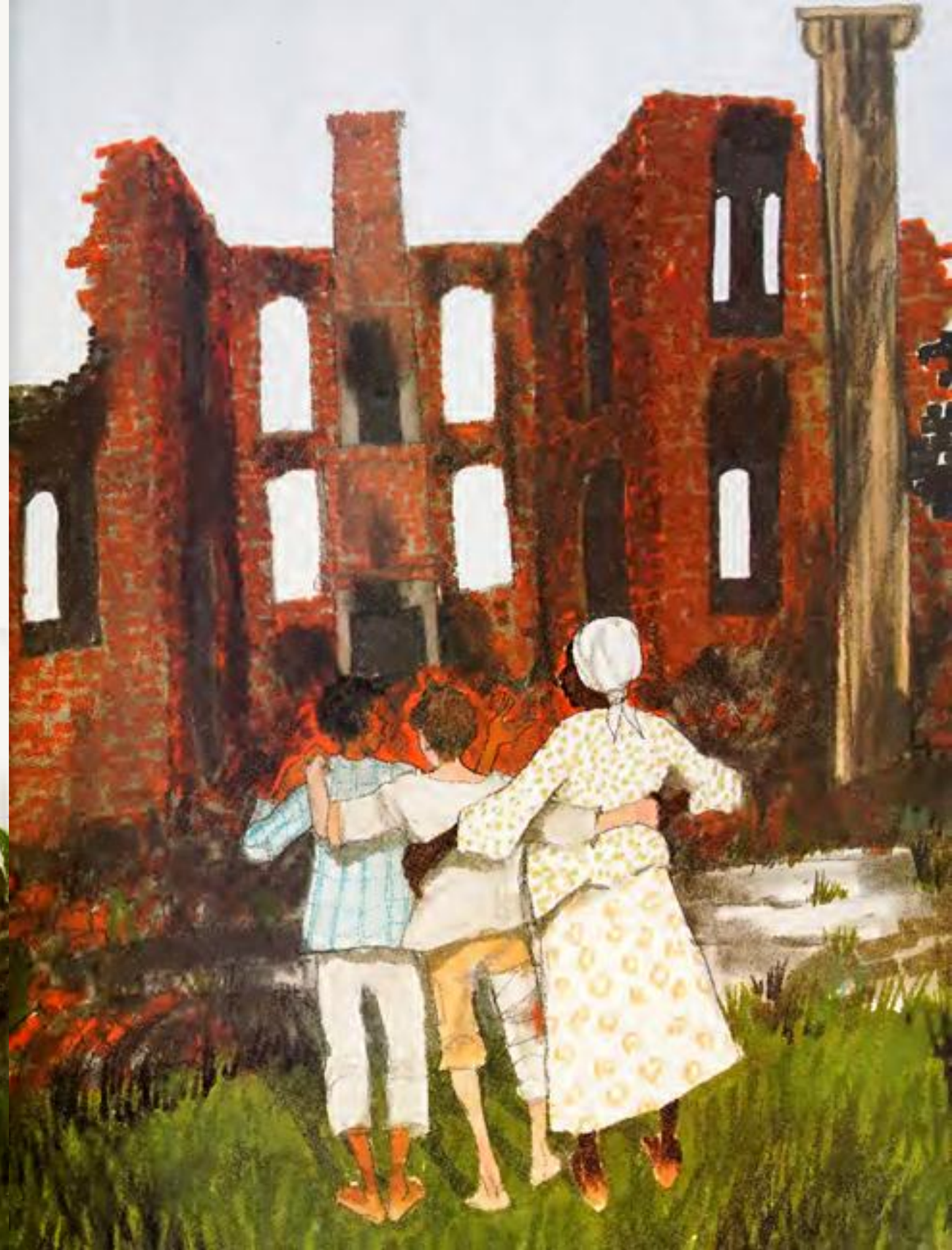

जब हम मजनू के पेड़ के नीचे आराम कर रहे थे, पिंक ने मुझसे मेरे परिवार के बारे में पूछा.

"मेरा एक भाई अभी भी घर पर है जो पिताजी का काम देखता है," मैंने जवाब दिया.

"तुम सेना के किस यूनिट में थे?" पिंक ने पूछा. उसने मुझसे पहले भी यह प्रश्न पूछा था.

"मैं ओहियो चौबीसवीं टुकड़ी में हूँ. मेरे पास एक डंडा था. मुझे बंदूक ले जाने की इज़ाज़त नहीं थी. लेकिन क्योंकि इतने सारे लोग मर रहे थे इसलिए फिर हम लड़कों ने भी बन्दूक उठाई."

"कम-से-कम तुम्हें बन्दूक उठाने का तो मौका मिला. हमारे अड़तालीसवें यूनिट में, हमारे पास पहले बंदूकें नहीं थीं. हम लाठी और हथौड़ों और स्लेज से लड़ते थे. क्या तुम कल्पना कर सकते हो इस तरह की लड़ाई के बारे में?"

मैं ऐसी कल्पना तक नहीं कर सकता था.

"फिर जब उन्होंने आखिरकार हमें बंदूकें दीं तो वे मैक्सिकन-अमेरिकी युद्ध के ज़माने की थीं. वे बंदूकें जाम हो जाती थीं और मिसफायर करती थीं!"

"तो फिर तुम क्यों वापस जाना चाहते हो?" मैंने पूछा.

"क्योंकि वो मेरी लड़ाई है, सेय. क्या वो तुम्हारी लड़ाई नहीं है? अगर हम नहीं लड़ेंगे, तो फिर और कौन लड़ेगा?"

मेरे पास उसके लिए कोई जवाब नहीं था. लेकिन, भगवान मुझे माफ करे मैं कभी भी लड़ाई में वापस नहीं जाना चाहता था!

कुछ और दिनों के बाद मैं थोड़ा स्थिर चल सका लेकिन फिर भी मुझे मदद की ज़रूरत थी. पिंक मुझे बड़े घर से बाहर ले गया और उसने मुझे आसपास का इलाका दिखाया. वास्तव में वहां बहुत कुछ नहीं बचा था, क्योंकि ज़्यादातर जला दिया गया था.

"मास्टर ऐली के पास किताबों से भरा पुस्तकालय था," पिंक ने कहा, "उन्होंने मुझे पढ़ना सिखाया, भले ही वो कानून के खिलाफ था."

"वह एक अच्छा आदमी रहा होगा," मैंने कहा.

"उसे अच्छे से ज्यादा बुरा, कहो. कभी-कभी मुझे लगता है कि उसे सिर्फ 'पढ़ना' पसंद था. कविता की एक मोटी एक किताब थी. हर रात मैं उस किताब में से उसे जोर-जोर से पढ़ता था.

"मैंने उन सभी खूबसूरत किताबों के कारण इस घर को आशीर्वाद दिया..."

हम कुछ आगे चले..

"एक गुलाम पैदा होना बहुत परेशानी की बात है. लेकिन जब ऐली ने मुझे पढ़ना सिखाया, भले ही वो मेरा मालिक था, पर मुझे पता था कि फिर कोई भी, कभी भी, मेरा मालिक नहीं हो सकता था."

"तुम्हें गुस्सा आ रहा है, पिंक," मैंने कहा. "मुझे लगता है कि तुम भी मेरे जैसे ही बीमार हो. मैं तुम्हें घर वापस ले चलूँगा."

"मैं ठीक हूँ, बस थोड़ा थक गया था. हालांकि, मैं लड़ने के लिए तैयार रहूंगा."

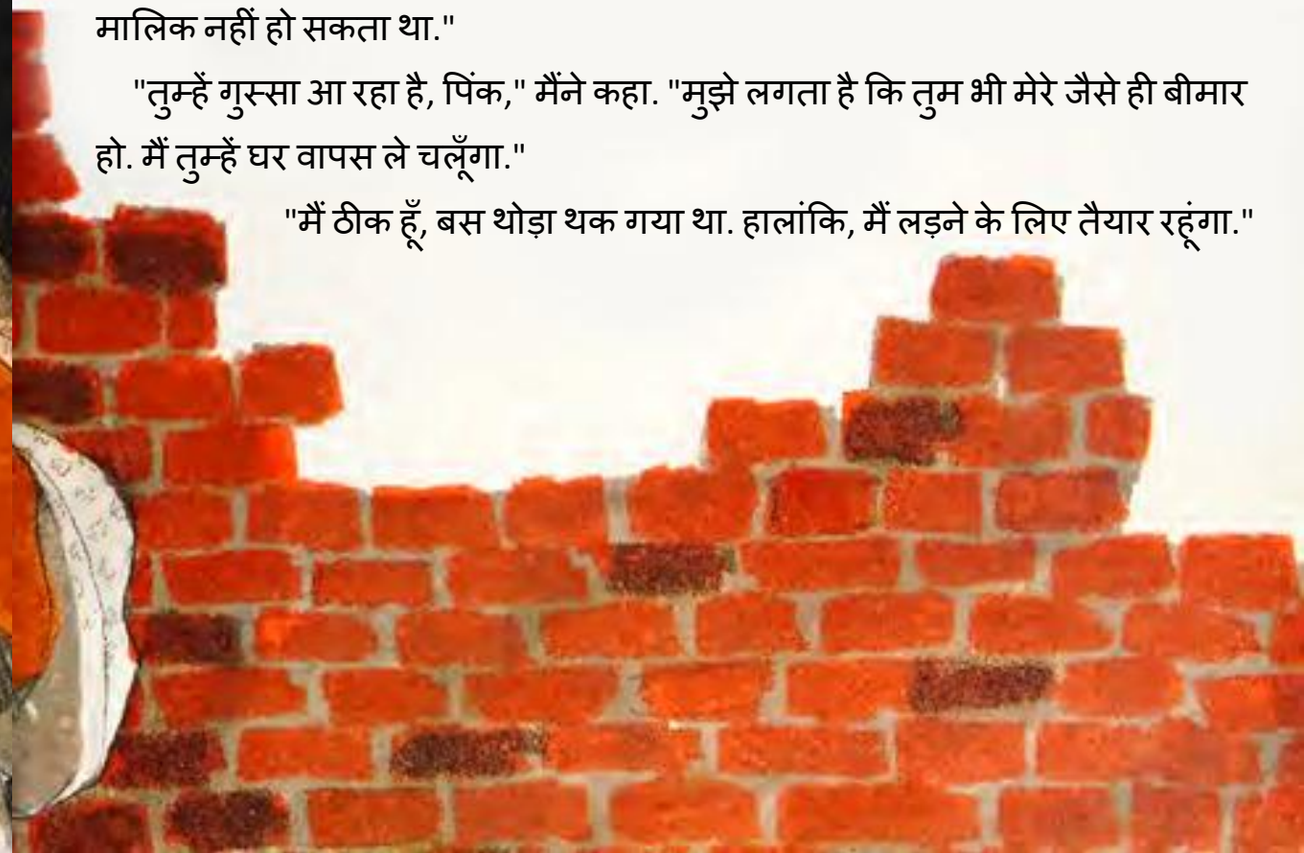

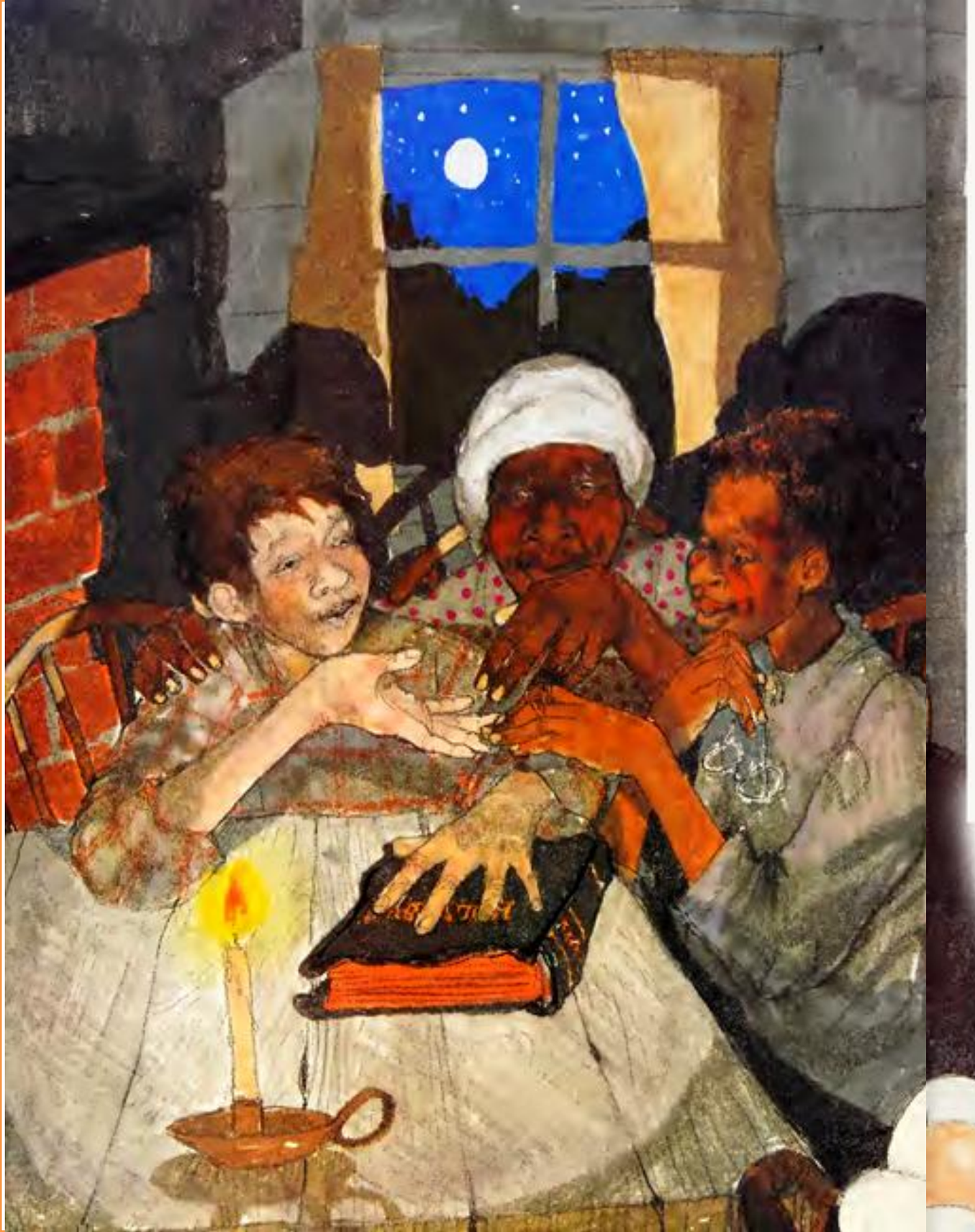

उस रात हमारे खाने के बाद, मो-मो बे एक पुरानी बाइबिल लेकर मेज पर वापस आई. वो बहुत खुश थीं. मेरा दिल यह सोच-सोचकर दुःख रहा था कि हम जल्द ही उन्हें छोड़कर जाने वाले थे.

"मास्टर ऐली ने पिंक को दिखाया कि कागज कैसे बात करता है. उसे दिखाओ, पिंक," उन्होंने कहा.

उसने अपनी जेब से एक चश्मा निकाला और भजनों के लिए बाइबल खोली और उन्हें पढ़ना शुरू किया. उसकी आवाज स्थिर थी और उसमें कुछ अनूठा आश्चर्य था. बस उसके शब्द सुनकर ही मेरे दिमाग में उन शब्दों की तस्वीरें बनने लगीं.

"काश मैं भी पढ़ पाता," मैंने बिना सोचे-समझे उनसे कहा!

जब पिंक ने मुझे देखा तो मैं शरमा गया. फिर उसने मेरा हाथ थाम लिया.

"मैं तुम्हें सिखाऊंगा, सेय. किसी दिन मैं तुम्हें ज़रूर सिखाऊंगा."

मैंने महसूस किया कि मेरा चेहरा धीरे-धीरे खिल रहा था. फिर मैं बोल उठा, "मैंने भी कुछ महत्वपूर्ण किया है."

"बेशक बेटा निश्चित रूप से तुमने भी कुछ अनूठा ज़रूर किया होगा," उसकी माँ ने कहा.

"मैंने मिस्टर लिंकन से हाथ मिलाया. यह वाशिंगटन के पास की बात है. बुल रन से ठीक पहले हमारी टुकड़ी वहीं थी. राष्ट्रपति खुद सभी सैनिकों से हाथ मिला रहे थे. वो देखकर मैंने भी अपना हाथ आगे बढ़ा दिया."

"और फिर उन्होंने तुमसे हाथ मिलाया?" पिंक ने पूछा.

"हाँ, उन्होंने मुझ से हाथ मिलाया," मैंने जवाब दिया.

"अब यह एक अच्छा संकेत है, क्यों है ना?" उसने मुस्कुराते हुए कहा.

"मेरे हाथ को छुओ, पिंक. फिर तुम कह सकते हो कि तुमने उस आदमी से हाथ मिलाया था जिसने अब्राहम लिंकन से हाथ मिलाया था!"

"उसे छूना सबसे अच्छी बात होगी," मो-मो बे ने आश्चर्य से कहा.

अगले दिन का अधिकांश समय पिंक एक पुराने नक्शे को पढ़ता रहा. "लुटेरे अपने शिविरों से तीस मील या उससे अधिक दूर नहीं जाते हैं. अगर वे यहां आते हैं तो उसका मतलब उनकी इकाइयां भी करीब ही होनी चाहिए. इसलिए हमें नदी के दक्षिण में जाना होगा. यहां देखो, सेय? यही वह जगह है जहां मेरी सेना जा रही थी. हम उनके साथ शायद वहां मिल पाएंगे, ऐसा मुझे लगता है."

"तुम किससे मिलने की बात कर रहे हो? अब तुम नहीं जा रहे हो'?" हमारे आते ही उसकी माँ की आवाज़ आई.

"माँ, तुम्हें पता था कि हम यहाँ नहीं रह सकते. तुम्हें यह पता होना चाहिए!" उसने कहा कि उसने माँ को शांत करने की कोशिश की.

"नहीं, नहीं, मेरे बच्चे... मेरे प्यारे बच्चों!" माँ रो पड़ी. कुछ समय के लिए वो गमगीन थीं, फिर वो डर के मारे शांत बैठी रहीं और सुनती रहीं.

"माँ, यह युद्ध तो जीतना ही है, वरना यह बीमारी पूरी धरती को निगल जाएगी, और कभी नहीं रुकेगी." पिंक हमेशा गुलामी को "बीमारी" कहता था. "हमें जाना ही होगा," और फिर वो माँ के पैरों के पास झुक गया.

पर उनकी आँखों से पता चल रहा था कि उनके लिए वो दिन आने वाला ही था.

मैं अपनी सांस की तेज़ी को महसूस कर रहा था. मेरा सीना भी भारी था. मेरे हाथों में पसीना छूट रहा था और मेरे पेट में दर्द होने लगा. मुझे पता था कि मुझे पिंक को कुछ ज़रूरी बताना है! पर मुझे यह नहीं पता था कि मैं वो उसे कैसे बताऊं.

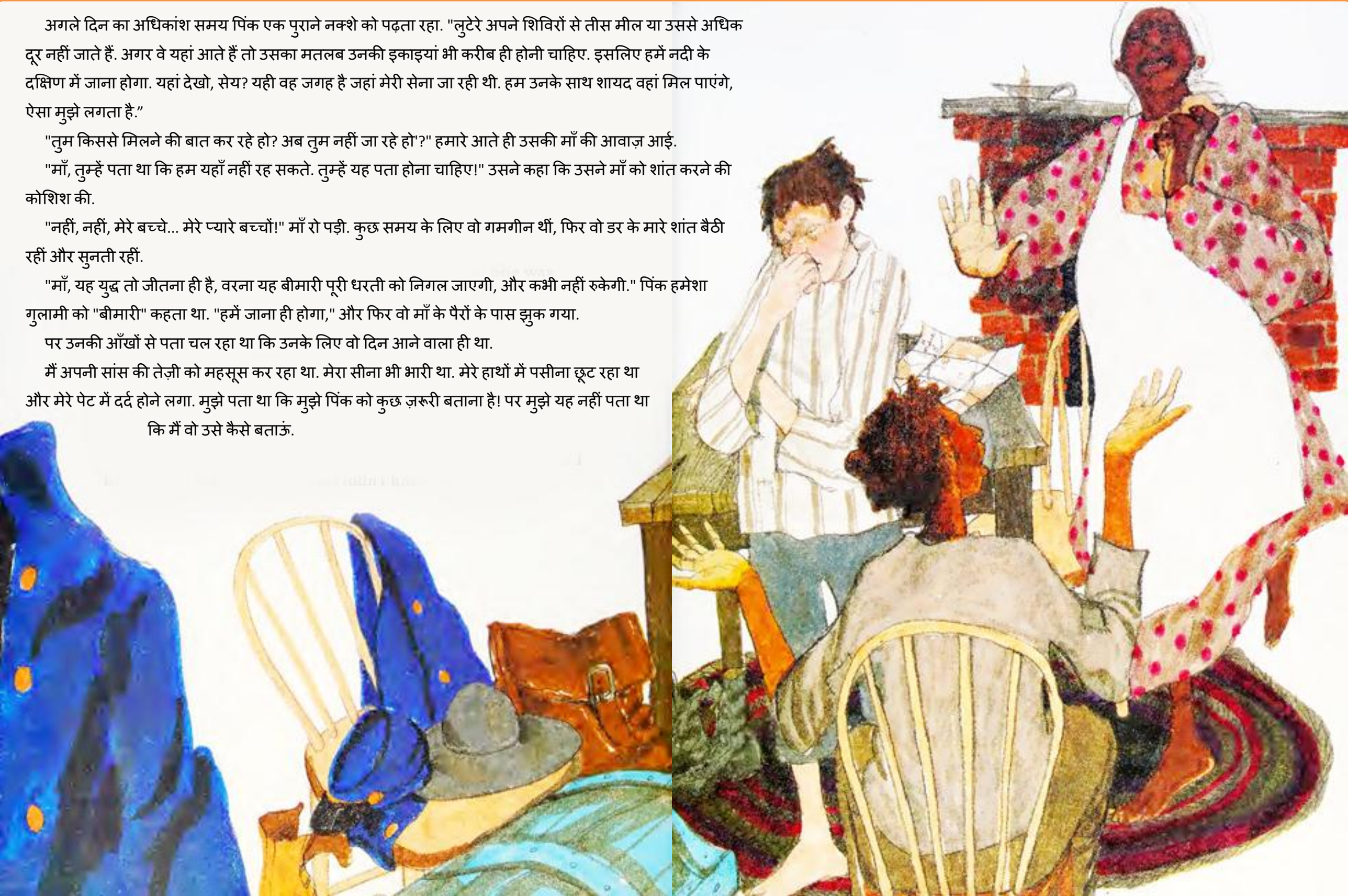

उस रात मैं सो नहीं सका.

"क्या हुआ, बच्चे?" मो-मो बे ने अपनी कुर्सी से कहा.

"मैं वापस नहीं जाना चाहता हूँ," मैंने कहा.

"मुझे पता है, बच्चे," उन्होंने कहा. "बेशक तुम मत जाओ."

"आप नहीं समझेंगी. मैं अपने यूनिट से भागकर आया हूँ. जब मैं दौड़ रहा था तो मुझे मारा गया." मैं इतनी जोर से चिल्लाया कि मेरी पसलियों में लगी चोट दुखने लगी. "मैं एक कायर और भगोड़ा हूँ."

उन्होंने आग की ओर देखा और बहुत देर तक कुछ नहीं बोलीं. तभी उनकी आवाज ने मेरे रोने को ढँक दिया. "तुम उस तरह के इंसान नहीं हो. तुम एक बच्चे हो ... एक बच्चे! बेशक तुम डरे हुए हो. ऐसा कोई इंसान नहीं है जो डरता न हो."

"मैं पिंक की तरह बहादुर नहीं हूं... मैं बिल्कुल बहादुर नहीं हूं."

"बच्चे, बहादुर होने का मतलब यह नहीं है कि तुम्हें डर न लगे. क्या तुम यह नहीं जानते?"

"मैं मरना नहीं चाहता हूँ."

"यह मौत से भी बदतर है, बच्चे. लेकिन तुम्हें डरने की कोई बात नहीं है. तुम अभी यहां हो और मैं तुम्हें गले लगाऊंगी. तुम किसी दिन एक बूढ़े आदमी बनोगे. और जब तुम्हारे जाने का समय आएगा तो प्यारे भगवान तुम्हारी आत्मा को स्वर्ग ले जाने के लिए एक हंस पक्षी भेजेंगे. अच्छा यह बताओ कि तुम्हें चिड़ियों से तो डर नहीं लगता है ना?"

उनकी बातों से मुझे नींद आ गई. उस रात मैंने सूरज की रोशनी और जंगली फूलों से भरे हरे चरागाहों में चिड़ियों को गुनगुनाते हुए देखा.

अगली सुबह' हमें निकलना पड़ा. हमने मकई की रोटी, सूअर का मांस और सूखे सेम की सब्ज़ी पैक की. मैं वहां रुकने और रहने के लिए कुछ भी करता, लेकिन मुझे पिंक के साथ जाना ही था. मुझे उसके क़र्ज़ को चुकाना ही था.

जैसे ही हमने वहां पर अपने निशानों को मिटाने के लिए आखिरी बार झाड़ू लगाईं तभी हमें जंगल में से चीखें और चीखें सुनाई दीं.

"लुटेरे!" पिंक चिल्लाया और उसने अपनी सुरक्षा के लिए हाथ में एक लकड़ी की लाठी उठाई.

मो-मो बे ने उसके हाथ से वो लाठी छीन ली. "नीचे तहखाने में जाओ. लुटेरे एक बूढ़ी काली महिला को कुछ नुक्सान नहीं पहुचायेंगे. जल्दी उस तहखाने में छिपो, मेरी बात सुनो!"

हमें वो पसंद नहीं आया लेकिन फिर उन्होंने हमें धक्का देकर धकेला. "जल्दी करो, इससे पहले कि वे यहाँ पहुँच जाएं!" उन्होंने तहखाने का दरवाजा उठाया और हमें अंदर धकेल दिया. "जब तक मैं नहीं कहूँ, तब तक बाहर मत आना!"

जैसे ही वो उस केबिन से भागीं, हमने सीढ़ियाँ पर आवाज़ सुनीं.

"वह उन्हें यहाँ से दूर ले जा रही है," पिंक फुसफुसाया.

जब लुटेरे अंदर आए, तो मेरा दिल इतनी जोर से धड़कने लगा कि मुझे लगा कि वो ऊपर भी उसे सुन सकते होंगे. भोजन की तलाश में, जब उन्होंने तोड़फोड़ की तो उस समय एक भयानक हंगामा हुआ. फिर सन्नाटा छा गया. एक गोली की आवाज़ बाहर के पेड़ों से गूँज उठी. फिर युद्ध की आवाज़ करते हुए वो वहां से चले गए.

हम मो-मो बे के संकेत की प्रतीक्षा करते रहे लेकिन हमें वो नहीं मिला. अंत में हम चढ़कर बाहर निकले और हमने मो-मो बे को बरामदे के बाहर पड़े हुए पाया.

"हमने तहखाने में छिपकर तुम्हें लुटेरों के रास्ते में खड़ा कर दिया," पिंक ने रोते हुए अपनी माँ की बाँहों में हिलाया.

जब उसने अपनी आँखें बंद की तो लगा जैसे वो कहीं दूर देख रहा हो. "तुम्हारा बेटा तुमसे प्यार करता है, मो-मो बे. तुम्हारा बेटा तुमसे बेहद प्यार करता है." उसने सिसकते हुए अपनी माँ को चूमा.

हम दोनों उनके हाथ को तब तक थामे रहे जब तक उनमें और गर्माहट नहीं बची.

मजनू के पेड़ के नीचे उन्हें दफनाने के बाद, हम वहां से निकल पड़े. पिंक ने नक़्शे से पता लगाया कि हम यूनियन सैनिकों से तीन दिन की पैदल दूरी पर थे. उसने सूर्य की गति भी देखी.

मो-मो बे की बातें आज भी मेरे दिल में गूंजती हैं. 'बहादुर' होने के बारे में उनके शब्द. मेरे कदम अब भी उतने ही पुख्ता थे जितने वे युद्ध शुरू होने के समय थे. हम खुले में चले, दूसरे दिन की सुबह तक हम पगडंडियों पर चहलकदमी करते रहे थे. तब हमें पता चला कि हमारा पीछा किया जा रहा था.

"ये लो," पिंक ने जेब से चश्मा निकालते हुए कहा. "अगर वे मुझे मेरे चश्मे के साथ पकड़ेंगे तो निश्चित रूप से परेशानी होगी."

जब उन्होंने हमें पकड़ लिया, तो उनमें से एक मुझ पर चिल्लाया, "तुम कहाँ जा रहे हो, उस काले लड़के के साथ?"

मैं अपने "उत्तरी" लहजे के कारण जवाब देने से डर रहा था. क्योंकि मेरे बोलने का लहज़ा मेरी पोल खोल देता.

"लड़के, तुम किस संगठन के हो?" उनके नेता ने चिल्लाकर पूछा.

मैंने जवाब नहीं दिया.

"देखो वो यूनियन का लड़का है?" उनमें से एक ने मेरा मजाक उड़ाया और उसने मेरी वर्दी, मेरे बस्ते में से खींचकर निकाली.

"नहीं...मैं एक अमरीकी नहीं हूं. वो वर्दी एक मरे हुए सैनिक की है," मैंने उन्हें समझाने की कोशिश की.

उसके बाद हमें पकड़ लिया गया. मेरे बोलने के लहज़े ने सारी पोल खोल दी थी.

हम कॉन्फेडरेट आर्मी के कैदी थे. उस रात हमें एक खलिहान में रखा गया. पिंक बुखार से कांप रहा था. मैंने उसके साथ वही किया जो उसने कभी मेरे लिए किया था.

अगली सुबह' हमें एक बॉक्सकार (मालगाड़ी के डिब्बे) में फेंक दिया गया. हम कई बार रुकते हुए दो दिनों तक सवारी करते रहे. जब दरवाजा खुला तो दिन का उजाले से हमारी आँखें चौंधिया गईं. हमें एक गाड़ी में लादा गया और शहर ले जाया गया.

नगरवासियों ने हमारी ओर ध्यान से देखा. उनकी आँखों में घृणा और नफरत थी. हमें एक फाटक के सामने रोका गया. वो एक कैंप का द्वार था.

"यह एंडरसनविल है," पिंक फुसफुसाया.

मेरा दिल रुक गया. मैंने उस जगह के बारे में सुना था. वो संघीय शिविरों में सबसे खराब था.

जब हमें ऊंची गाडी से खींचा गया, तो हम सख्त जमीन पर गिरे.

"नहीं, नहीं," मैंने भीख मांगते हुए अपने दोनों हाथों को जोड़ा.

बुखार की वजह से पिंक ठोकर खाकर गिर पड़ा. वे उसे अमानवीय तरीके से घसीटते रहे. पर उसने कोई विरोध नहीं किया. फिर वे हमें अलग-अलग दिशाओं में ले गए.

फिर पिंक मेरे पास पहुंचा और कहा, "मुझे उस हाथ को छूने दो जिसने मिस्टर लिंकन को छुआ था, बस एक आखिरी बार."

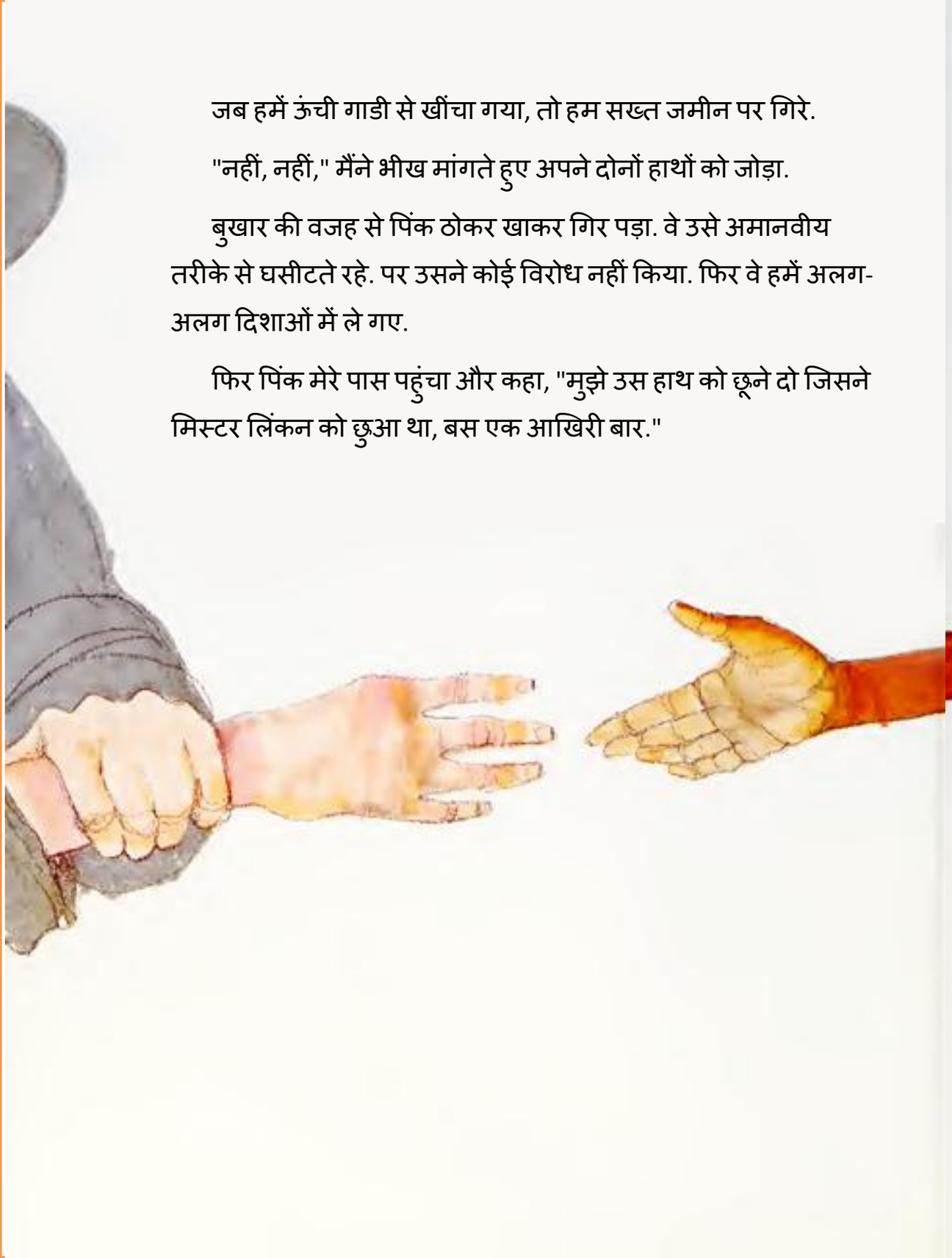

मैंने उसकी आँखों में भरे आंसुओं को देखा और अपना हाथ उस पर तब तक टिकाया जब तक कि उन्होंने हमें अलग नहीं कर दिया. उन्होंने उसे मारा और घसीटकर मेरे पास से दूर ले गए. उसने पीछे मुड़कर मेरी तरफ देखा और कुछ और कहने की कोशिश की लेकिन उन्होंने उसकी पीठ को रस्सी से बाँधा और फिर उसे धकेल दिया.

मैं जानती हूं कि यह कहानी सच है क्योंकि शेल्डन रसेल कर्टिस ने वो कहानी अपनी बेटी रोजा को बताई थी.

रोजा कर्टिस स्टोवेल ने अपनी बेटी एस्टेला को वो कहानी सुनाई थी.

फिर एस्टेला स्टोवेल बार्बर ने अपने बेटे विलियम को वो कहानी सुनाई थी.

फिर विलियम ने मुझे, अपनी बेटी, पेट्रीसिया को वो कहानी सुनाई थी.

जब मेरे पिता ने यह कहानी पूरी की तो उन्होंने अपना हाथ बढ़ाया और कहा, "यह वो हाथ है, जिसने उस हाथ को छुआ था, जिसने हाथ को छुआ था, जिसने अब्राहम लिंकन से हाथ मिलाया था."

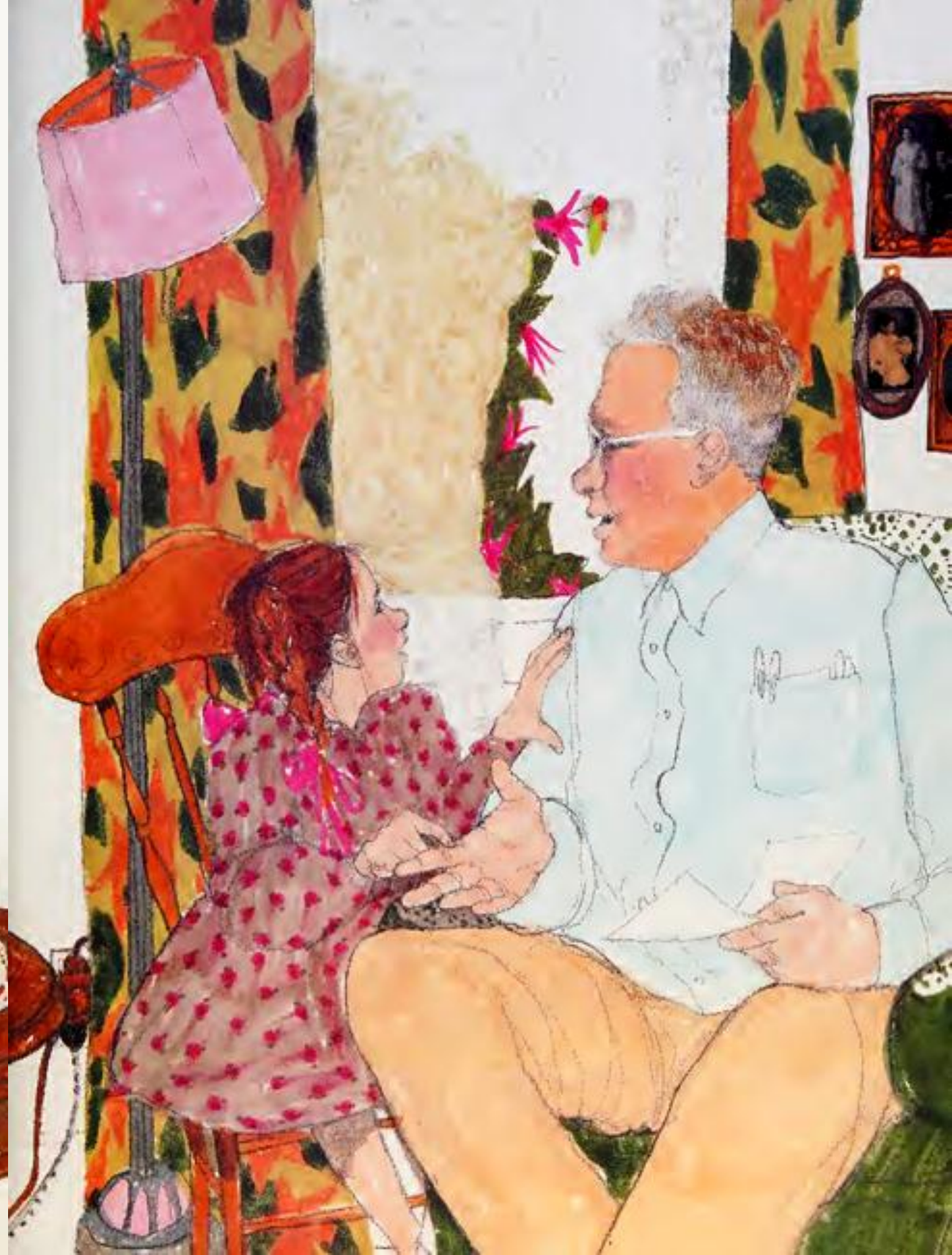

यह पुस्तक पिंकस ऐली की लिखित स्मृति के रूप में कार्य करेगी, क्योंकि उसका कोई जीवित वंशज नहीं था.

इस पुस्तक को नीचे रखने से पहले, आप एक बार उसके नाम को ज़ोर से पुकारें और उसे हमेशा याद रखने की कसम खाएँ.